साहित्य अकादेमी द्वारा संस्कृत कवि-गोष्ठी का आयोजन

कवि गोष्ठी में काव्यपाठ हेतु तीन संस्कृत कवि आमंत्रित थे- आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र, आचार्य रमाकान्त शुक्ल एवं आचार्य परमानन्द झा।

आलोकपर्व नेटवर्क

साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली 15 जुलाई 2019 साहित्य अकादेमी द्वारा 'साहित्य मंच' कार्यक्रम के अंतर्गत एक संस्कृत कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया। कवि गोष्ठी में काव्यपाठ हेतु तीन संस्कृत कवि आमंत्रित थे- आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र, आचार्य रमाकान्त शुक्ल एवं आचार्य परमानन्द झा। कवि गोष्ठी का प्रारम्भ, साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव द्वारा स्वागत भाषण से हुआ। संस्कृत की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए सचिव महोदय ने कहा कि संस्कृत के कार्यक्रम अधिकाधिक होने चाहिए तथा संस्कृत कार्यक्रमों में युवा छात्रों की उपस्थिति की चर्चा की। उन्होंने संस्कृत कार्यक्रम के संस्कृत में संचालन की आवश्यकता बताते हुए वर्षा ऋतु को काव्य की उत्सुकता के रूप में प्रतिपादित किया। आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्रजी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि साहित्य अकादेमी संस्कृत भाषा के लिए अविस्मरणीय सेवाएँ दी हैं। आगे उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा का विस्मरण संस्कृति का विस्मरण होगा। इसलिए संस्कृत भाषा को सब लोगों को पढ़ना चाहिए। अपने कविता-पाठ में श्री परमानंद झा ने परमेश्वर के ऊपर मातृ-पित्रों पर, गुरुजनों के ऊपर, स्नेह मधुरता के ऊपर कुछ कविताएँ पढ़ीं। इसके बाद आचार्य रमाकांत शुक्लजी ने सृष्टि के ऊपर कविता पाठ किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने देशभक्ति से प्रेरित कुछ कविताएं अपने सस्वर में पढ़ीं, जिसे सुनकर सारे श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। इसके बाद साहित्य अकादेमी सलाहाकार मंडल के संयोजक आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्रजी ने अपने मधुर स्वर में हिमाचली पहाड़ी गीतों की मधुर धुन में संस्कृत गीतों को प्रस्तुत किया।

साहित्य अकादेमी के उपसचिव डॉ. एन. सुरेश बाबु ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया।